2024
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – क

1. (क) 'भाषायोगवाशिष्ठ' के लेखक हैं : **1**

(i) 'गंग' कवि (ii) रामप्रसाद 'निरंजनी' (iii) दौलतराम (iv) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द

(ख) भारतेन्दुयुगीन लेखक नहीं हैं : **1**

(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) पं० प्रतापनारायण मिश्र (iii) माखनलाल चतुर्वेदी (iv) किशोरी लाल गोस्वामी

(ग) 'शेखर : एक जीवनी' किसकी रचना है ? **1**

(i) नागार्जुन (ii) मुक्तिबोध (iii) 'अज्ञेय' (iv) रामचन्द्र शुक्ल

(घ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक हैं : **1**

(i) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) श्याम सुन्दर दास (iii) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (iv) कुबेरनाथ राय

(ङ) 'आवारा मसीहा' की विधा है : **1**

(i) उपन्यास (ii) जीवनी (iii) संस्मरण (iv) यात्रावृत्त

2. (क) 'खड़ी बोली' का प्रथम महाकाव्य है : **1**

(i) 'कामायनी' (ii) 'प्रियप्रवास' (iii) 'राम की शक्तिपूजा' (iv) 'साकेत'

(ख) छायावाद की समय सीमा है : **1**

(i) 1918 – 1936 ई० तक (ii) 1915 – 1930 ई० तक (iii) 1921 – 1940 ई० तक (iv) 1900 – 1936 ई० तक

(ग) 'हम राही नहीं, राहों के अन्वेषी हैं' किसने कहा था ? **1**

(i) धर्मवीर भारती ने (ii) 'अज्ञेय' ने (iii) नामवर सिंह ने (iv) 'निराला' ने

(घ) 'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य-पंक्ति के रचनाकार हैं : **1**

(i) मीराबाई (ii) महादेवी वर्मा (iii) महाश्वेता देवी (iv) सुभद्रा कुमारी चौहान

(ङ) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' रचना की विधा है : **1**

(i) उपन्यास (ii) निबन्ध (iii) कहानी (iv) काव्य

3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 2 + 2 = 8**

पुरुषार्थ वह है जो पुरुष को सप्रयास रखे, साथ ही सहयुक्त भी रखे। यह जो सहयोग है, सच में पुरुष और भाग्य का ही है। पुरुष अपने अहं से वियुक्त होता है, तभी भाग्य से संयुक्त होता है। लोग जब पुरुषार्थ को भाग्य से अलग और विपरीत करते हैं तो कहना चाहिए कि वे पुरुषार्थ को ही उसके अर्थ से विलग और विमुख कर देते हैं। पुरुष का अर्थ क्या पशु का ही अर्थ है ? बल-विक्रम तो पशु में ज्यादा होता है। दौड़-धूप निश्चय ही पशु अधिक करता है। लेकिन यदि पुरुषार्थ पशु-चेष्टा के अर्थ से कुछ भिन्न और श्रेष्ठ है, तो इस अर्थ में कि वह केवल हाथ-पैर चलाना नहीं है, न क्रिया का वेग और कौशल है, बल्कि वह स्नेह और सहयोग की भावना है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) पुरुषार्थ किसे कहते हैं ?

(iv) पुरुष और पशु में क्या अन्तर है ?

(v) पुरुषार्थ किस प्रकार दिखाई देता है ?

अथवा

प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प देवता की होती थी। इसे 'मदनात्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती-कण्ठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता है। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस-मनोरह वर्णन मिलता है। राजघरानों में साधारणत: रानी ही अपने नूपुर चरणों के घात से इस रहस्यमय वृक्ष को पूजित किया करती थी। कभी-कभी रानी अपने स्थान पर किसी अन्य सुन्दरी को नियुक्त कर दिया करती थी। कोमल हाथों में अशोक-पल्लों को कोमलता गुच्छ आया, आल्क्तक से रंजित नूपुरमय चरणों के मृदु आघात से अशोक का पाद देश आहत हुआ – नीचे हल्की रुनझुन और ऊपर लाल फूलों का उल्लास।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मदनात्सव' किसे कहते हैं ?

(iv) किन ग्रन्थों से इस उत्सव की जानकारी मिलती है ?

(v) 'आल्क्तक' एवं 'नूपुरमय' शब्दों के अर्थ लिखिए।

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5 × 2 = 10**

दु:ख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक पर्दा यह झीना नील
छिपाये जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझो हो अभिशाप
जगत की ज्वालाओं का ;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'विकसता' तथा 'अभिशाप' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(iv) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है ?

(v) 'जगत की ज्वालाओं का भूल' से कवि का क्या आशय है ?

अथवा

शांत, स्निग्ध ज्योत्स्ना उज्ज्वल।
अपलक अनंत नीरव भू-तल।
सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी है श्रान्त, क्लांत, निरखल।
तापम-बाला-सी गंगा कल-निर्मल, शशि-मुख से दीप्त मृदु-करतल,
लहरें उर पर कोमल कुंतल।
गौर अंगों पर सिहर-सिहर, लहरा तार-तरल सुन्दर
चंचल अंचल-सा नीलाम्बर।
साड़ी की सिकुड़न-सी जिस पर, शशि की रेशमी-विभा से भर
सिमटी है वर्तुल मृदुल लहर।
चौदंशी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश में किसका चित्रण किया गया है ?

(iv) बालू के मध्य गंगा बहती हुई कैसी प्रतीत हो रही है ?

(v) कवि 'नौका विहार' के लिए कब निकलता है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवनी-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iii) सुमित्रानन्दन पंत (iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

6. कहानी तत्त्वों के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए। (शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : (शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' के चरित्र पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की घटना संक्षेप में लिखिए।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाएँ लिखिए। **अथवा** 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रधान नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की किसी एक घटना का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'असहयोग आन्दोलन' की घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिप्ररूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन्। चतुष्पदा अपि संनत्यैकं सिंहं राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे संनत्य 'मनुष्यो राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं प्रन्तरे राजा नास्ति। अयाजको वासी नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यम्' इति उक्तवन्तः।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धांताः वैयक्तिक जीवनस्य अभ्युत्थानस्य च प्रयुक्ता आसन्। परभ्यर्थ इमे सिद्धांताः राष्ट्रणां परस्परमैत्री सहयोग कारणानां, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य

श्री जवाहरलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रिदालतकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पंचशीलसिद्धान्तानाधिकृत्य एवाभवत्। यतोहि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ। आधुनिके जगति पंचशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनीतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

ज्ञाने मौन क्षमा शक्तौ त्यागे – श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य प्रपंसबा इव।।

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।
तस्मा हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत में उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(i) संस्कृत-साहित्यस्य आदिकविः कः अस्ति ?

(ii) कात्यायनी कस्य पत्नी आसीत् ?

(iii) हंसपोलिका कस्य दुहिता आसीत् ?

(iv) दयानन्दस्य गुरुः कः आसीत् ?

(v) पञ्चशीलं कीदृशः सिद्धान्ताः ?

10. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए। **1 + 1 = 2**

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए। **1 + 1 = 2**

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'रोला' छन्द की परिभाषा और एक उदाहरण लिखिए। **1 + 1 = 2**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **2 + 7 = 9**

(i) बेरोजगारी की समस्या और समाधान (ii) साहित्य समाज का दर्पण है (iii) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन (iv) विज्ञान के चमत्कार (v) निज भाषा उन्नति है सब उन्नति को मूल

12. (क) (i) 'गायक' का सन्धि-विच्छेद होगा : **1**

(अ) गै + अकः (ब) गाय + अकः (स) गय + अकः (द) गायक + कः

(ii) 'रामशेते' का सन्धि-विच्छेद होगा : **1**

(अ) रामश + शेते रामश् + शेते (ब) रामस् + शेते (स) रामः + शेते (द) रामः + शेते

(iii) 'उच्चारणम्' में सन्धि है : **1**

(अ) व्यंजन सन्धि (ब) यण सन्धि (स) स्वर सन्धि (द) विसर्ग सन्धि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) यथाशक्ति (ii) नीलकमलम् (iii) चन्द्रशेखरः

13. बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबन्धक को आवेदन / प्रार्थना पत्र लिखिए। **8**

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन पत्र / प्रार्थना पत्र लिखिए।

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए : **1**

(अ) दत्तः (ब) पूजितः पूजित (स) स्नातः

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए : **1**

(अ) पठनीयः (ब) धनवान् (स) श्रीमती

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) ग्रामम् अभितः। (ii) पादेन खञ्जः। पादेन खंजः। (iii) रामेण सह।